११. राजस्थान . .	१७.७४
१२. उत्तर प्रदेश . .	..
१३ पश्चिमी बंगाल . .	१५.६७

संघीय राज्य-क्षेत्र

१४. दिल्ली . .	..
१५. हिमाचल प्रदेश . .	०.२८
१६. मणिपुर . .	१.६४
१७ त्रिपुरा . .	१.६२
१८. लकादीव, मिनिकोय तथा अमिन-दीव द्वीपसमूह . .	०.२१

स्वशासित जिलो के अलावा असम के आदिवासी क्षेत्रों की अनुसूचित आदमजातियो की जनसंख्या के आंकड़े निश्चित नही हैं । जम्मू तथा काश्मीर और अन्दमान तथा निकोबार द्वीपसमूह मे अनुसूचित आदिमजातियो को अलग नही बताया गया है ।

दिल्ली में वेश्यायें

१०५१. **श्री श्रीनारायण दास** क्या गृह-कार्य मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली की वेश्याओ की गणना और उनके पजीयन का कोई प्रबन्ध है ; और

(ख) यदि हा, तो २० वर्ष से कम आयु की वेश्याओ की सख्या कितनी है ?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती आल्वा) : (क) जी नही ।

(ख) प्रश्न ही नही उठता ।

पिछड़े वर्गों का कल्याण

१०५२. **श्री श्री नारायण दास** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५६–५७ के आय-व्ययक में पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिये जो ३६१.०० लाख रुपये रखे गये हैं, उनका वितरण किस प्रकार किया गया है ;

(ख) जो राशियां दी गई हैं उन्हें किस प्रकार व्यय किया गया है ;

(ग) राज्य सरकारों ने इस सम्बन्ध में कितनी योजनायें बनाई हैं और उन पर कितना व्यय किया गया है ; और

(घ) उन योजनाओ के ब्यौरे क्या हैं और उनसे कितने लोग लाभांवित हुए हैं ?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती आल्वा) : (क) एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ४७]

(ख) १९५६–५७ मे की गई प्रगति की रिपोर्ट राज्य सरकारो से प्राप्त नहीं हुई है ।

(ग) तथा (घ). राज्य सरकारो ने जिन मदो के लिये योजनायें बनाई हैं वे इस प्रकार हैं—'शिक्षा', 'आर्थिक विकास' (जिसमे कुटीर उद्योग, कृषि तथा सहकारिता शामिल है), 'चिकित्सा तथा जन-स्वास्थ्य', 'पानी की सप्लाई', 'गृह-निर्माण,' 'उपनिवेशन', 'अस्पृश्यता निवारण के लिये प्रचार', 'स्वय सेवक सस्थाओ का सहायता' आदि । यह बताना सम्भव नहीं है कि इन योजनाओ से कितने व्यक्तियो को लाभ पहुचा है ।

हिन्दी

१०५३. **श्री रा० स० तिवारी :**
श्री श्रीनारायण दास :

क्या गृह-कार्य मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाने के कार्य मे सरकार को कितनी सफलता मिली है ; और

(ख) अब तक कितने व्यक्ति हिन्दी सीख चुके हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) तथा (ख). एक विवर सभा-पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ४८]

अहिन्दी-भाषी कर्मचारियों की पदोन्नति

१०५४. **श्री रा० स० तिवारी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि हिन्दी सीख लेने वाले अहिन्दी-भाषी कर्मचारियों की पदोन्नति आदि के लिये कोई व्यवस्था की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : जी नहीं ।

राष्ट्रीय पंचांग

१०५५. **श्री रामजी वर्मा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीय पंचांग तैयार करने में कितना धन खर्च हुआ ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : ५६,९२७ रुपये

समिति की रिपोर्ट की छपाई और प्रकाशन पर हुये खर्च के साथ साथ इसमें वह सब खर्चा भी शामिल है जो पंचांग संशोधन समिति पर व्यय किया गया ।

झांसी की रानी का स्मारक

१०५६. **श्री हेडा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि झांसी की रानी जहां शहीद हुई थी उस स्थान पर एक स्मारक बनाने के सम्बन्ध में क्या प्रगति हुई ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : मध्य प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि जिस स्थान पर रानी लड़ते लड़ते शहीद हुई थी उसके पास एक छोटा सा चबूतरा पहले से ही बना हुआ है जो रानी लक्ष्मी बाई की 'समाधि' कहलाता है तथा जिसके एक ओर एक शिलालेख लगा हुआ है । उस स्थान पर एक और स्मारक बनाने का प्रश्न राज्य सरकार की इच्छा पर छोड़ दिया गया है ।

पुलिस में भ्रष्टाचार

१०५७. **श्री हेडा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के अधीन काम करने वाले पुलिस के कितने कर्मचारी १९५६ और १९५७ में अब तक भ्रष्टाचार के अपराध में पकड़े गये और दण्डित किये गये ; और

(ख) उक्त अवधि में प्रशंसनीय सेवा करने के लिये पुलिस के कितने कर्मचारियों को पुरस्कार दिये गये ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) तथा (ख). सूचना एकत्र की जा रही है और प्राप्त होते ही वह सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

पिछड़े वर्गों का कल्याण

१०५८. **श्री राधा रमण** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिये केन्द्र द्वारा संचालित योजनाओं के ब्योरे क्या हैं ;

(ख) इन योजनाओं के अन्तर्गत अब तक क्या कार्य हुआ है ; और

(ग) इन योजनाओं को किस के द्वारा सम्पन्न कराया जा रहा है ?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती आल्वा): (क) एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ४९]

(ख) १९५६-५७ और १९५७-५८ में पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिये स्वीकृत